Energy Conservation Day Celebration on 14th Dec. 2004 at ITI Limited Mankapur

On the occasion of EC day celebration the employees, Housewives and children were rewarded with certificates. All management executives as well as union/officers Association/School Administrator were present on the occasion along with all invitees of HOD's & sectional heads.

Best Essay

Best Slogan Award

Best Suggestion Award

Questionnaire award

Appeal

आई टी आई लिमिटेड, मनकापुर–गोण्डा

संदर्भ संख्या : ई.एस.एस./एम/ऊ0 सं0/ दिनांक : 14 दिसंम्बर.2004

संदेश

आज 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' है । भारत सरकार ने 14 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' घोषित किया है । आज ही के दिन ऐसे उद्योग, जिन्होंने ऊर्जा संरक्षण एवं ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में गत वर्ष उत्कृष्ट कार्य किए हैं, उन्हें भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत किया जाता है । हमे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि हमारी ईकाई को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण–2004 के प्रथम पुरस्कार से अलंकृत किया गया है, जिसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं ।

ऊर्जा संकट के प्रति विश्व के समस्त देश चिंतित है क्यों कि एक ओर ऊर्जा के स्रोतों की उपलब्धता सीमित है, दूसरी ओर ऊर्जा के अंधाधुन्ध उपभोग से पर्यावरण – प्रदूषण उत्तरोत्तर बढ़ता जा रहा है । ऊर्जा संकट और पर्यावरण प्रदूषण के नियंत्रण के लिए ऊर्जा संरक्षण और ऊर्जा का दक्षता पूर्वक उपयोग ही एक मात्र विकल्प है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपना योगदान कर सकता है । वर्तमान युग प्रतिस्पर्धा का युग है । आज अपना अस्तित्व बनाये रखने के लिए चाहे वह निजी संस्थान हों या सार्वजनिक उपक्रम, सबको हर संभव सतत् प्रयास करना है । बाजार में ग्राहकों के सामने उच्च गुणवत्ता, कम कीमत एवं विश्वसनीय उत्पाद चुनने का पूर्ण अधिकार है । ऐसी स्थिति में यह आवश्यक है कि हम उच्च गुणवत्ता को अक्षुण्ण रखते हुए अपने उत्पाद लागत में कमी लायें । हमारे उत्पाद की लागत में ऊर्जा एक बड़ा अवयव है ।

कृ0प0उ0

अतः हम सभी को ऊर्जा संरक्षण एवं ऊर्जा के दक्षता पूर्वक उपयोग के लिए कटिवद्ध होना पड़ेगा । इसी उद्देश्य से, संस्थान ने अपनी ऊर्जा नीति घोषित किया है, जिसके सफल कार्यान्यवन के लिए सभी की भागीदारी आवश्यक एवं वांक्षनीय है ।

यद्यपि विगत तीन वर्षों में कारखाना परिसर में रू0 384.34 लाख मूल्य की विद्युत ऊर्जा की बचत हुई है लेकिन आवासीय परिसर में विद्युत ऊर्जा के उपभोग में मात्र सॉकेतिक कमी निराशाजनक है । आवासीय परिसर में विद्युत का उपयोग कारखाना परिसर के विद्युत उपयोग से यदा कदा अधिक भी पाया गया है जो हम सभी के लिए चिन्ता का विषय है । आवासीय परिसर में ऊर्जा संरक्षण और ऊर्जा के दक्षता पूर्वक उपयोग की अपार संभावनायें हैं । परंपरागत ऊर्जा स्रोतों के संरक्षण के लिए वैकल्पिक ऊर्जा के साधनों जैसे सोलर हीटर, सोलर लैम्प, सोलर कूकर आदि का आधिकाधिक प्रयोग करें । इसके अतिरिक्त सोलर कूकर में तैयार किये गये भोजन में अपेक्षाकृत अधिक पौष्टिक तत्व विद्यमान होते हैं ।

आइये आज के दिन हम सभी सत्यनिष्ठा पूर्वक प्रतिज्ञा करें कि हम ऊर्जा संरक्षण एवं ऊर्जा के दक्षता पूर्वक उपयोग हेतु सतत प्रयत्न शील रहेंगे और निश्चित रूप से सभी प्रकार के ऊर्जा अपव्यय की रोकथाम के लिए अभिवृत्तियों तथा आदतों का विकास करेंगे । इस प्रकार हम सभी संस्थान व राष्ट्र के चतुर्मुखी विकास में योग दान देंगें ।

दिनांक : 14 दिसंम्बर '2004

(शिव पूजन त्रिपाठी)
ईकाई प्रमुख